मैं कौन हूँ? मेरा कौन है? मैं क्या चाहता हूँ? इसे कैसे प्राप्त करें? ये चार बुनियादी प्रश्न हैं।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 9423209132

यदि पहला सवाल उठाया जाता है, तो विभिन्न प्रकार के उत्तरों के मिलने की उम्मीद रहती है।

मैं रमेश हूं .... ओ! वह तुम्हारा नाम है। तुम नहीं।
मैं मराठी हूँ ..... ओ! वह तुम्हारी भाषा है। तुम नही।
मैं एक आईएएस हूँ! वह तुम्हारी डिग्री है। तुम नहीं।
मैं मैनेजर हूँ! वह तुम्हारी पोस्ट है। तुम नहीं ।
मैं एक व्यापारी ओ हूँ! वह तुम्हारा पेशा है। तुम नहीं ।
मैं हिंदू-मुस्लिम ..ओ! वह तुम्हारा धर्म है। तुम नहीं ।
मैं यादव ओ हूँ! वह तुम्हारी जाति है। तुम नहीं ।
मैं एक लड़का हूँ ओ! वह तुम्हारी सेक्स है। तुम नहीं ।
मैं मानव हूँ। वह तुम्हारी प्रजाति या शरीर है। तुम नहीं।
इसी प्रकार यह मन,बुद्धी तुम्हारी है। तुम नहीं।

मैं कौन हूँ? मैं कौन हूँ? कोई सही उत्तर नहीं आ रहा है।

वास्तव में 'मैं' वह व्यक्तित्व है जो अंदर बैठा है, जो इंद्रियों की पेशकश ग्रहण करता हैं। जो यह जानता है कि दिमाग क्या सोचता है, बुद्धि फैसला क्या करती है।

वह 'मैं' कौन है? वह 'मैं' आत्मा है जो भौतिक दिल में रहता है और यह 'मैं' मन में आध्यस्त है। लेकिन यह सिर्फ शब्दों द्वारा ज्ञान है। वह 'मैं' कैसा है, उसका स्वरूप क्या है इसका कुछ अतापता नही है।

'मै कौन हूँ?' यह प्रश्न तब तक अनुत्तरित रहता है जब तक आध्यात्मिक मार्ग द्वारा इस प्रश्न को हल नही किया जाता।